10/3/2020

(सामान्य शब्द और तकनीकी शब्द)

15/04/20 (11)

भाषा सार्थक शब्दों की एक सुगठित एवं व्यवस्थित इकाई है।*लेखक की भाषा में शब्दों की अ* शब्दों का सार्थक प्रयोग ही विषय-वस्तु तथा भाषा की अभिव्यक्ति को सार्थक या संभव बनाता है। प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद किए जा सकते हैं। (1) सामान्य शब्द (2) तकनीकी शब्द (पारिभाषिक शब्द)

सामान्य शब्द :- सामान्य शब्दों का संबंध जीवन और जगत के दैनिक या सामान्य व्यवहार तथा बोलचाल आदि से है। अर्थात सामान्य शब्दों का प्रयोग रोजमर्रा के सामान्य व्यवहार विषयक बातों की सहज अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है। किसी भी भाषा के मूल आधार ऐसे सामान्य शब्द होते हैं जो क्रिया, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण आदि के रूप में नित्य व्यवहार में लाए जाते हैं। ऐसे सामान्य शब्दों के आधार पर कोई भी व्यक्ति भाषा को सिख सकता है। बच्चा भी अपनी मातृ भाषा के रूप में खाना-पीना चलना मा-पिताजी, चाचा, बुआ, ठण्डा, गर्म, रोटी, दूध, पानी, मेज, कुर्सी, जैसे सामान्य शब्दों को सीखता है। बोलचाल, वार्तालाप आदि में ही सरल, सामान्य शब्दों का प्रयोग होता है। इस प्रकार कह सकते हैं कि मनुष्य के सामान्य जीवन में व्यवहार में लाए जाने वाले शब्द सामान्य शब्द कहलाते हैं।

तकनीकी शब्द → जो शब्द सामान्य व्यवहार की भाषा में प्रयुक्त ना होकर ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विषय एवं संदर्भ के साथ विशिष्ट किंतु निश्चित अर्थ में प्रयुक्त होते हैं उन्हें ~~पारिभाषिक~~ पारिभाषिक शब्द कहते हैं।

[सामूहिक चर्चा] 15/04/20

(13)

सामूहिक चर्चा किसी विशेष परिस्थिति में किसी संगठन या समूह विशेष के द्वारा किसी समस्या के समाधान या निर्णय पर पहुँचने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। जिसमें परस्पर विचार-विमर्श, सहभागिता एवं सहकारिता द्वारा किसी कार्य को सामूहिक रूप से किया जाता है। अंग्रेजी में इसे Group Discussion कहा जाता है।

वास्तव में सामूहिक चर्चा मौखिक संचार का एक रूप है। कहा जा सकता है कि सामूहिक चर्चा मौखिक संचार की वह प्रक्रिया है जिसमें कोई व्यावसायिक संगठन एक निश्चित एवं सर्व सम्मत निर्णय पर पहुँचने का प्रयास करता है।

सामूहिक चर्चा के उद्देश्य :-

① समस्या का निवारण → सामूहिक चर्चा के में विभिन्न रचनात्मक विचारों और सुझावों को आमंत्रित किया जाता है जिससे संगठन की समस्याओं का निवारण किया जा सके।

② निर्णय लेना → निर्णय प्रक्रिया में विशिष्ट प्रकार के व्यक्ति सम्मिलित होते हैं। सामूहिक चर्चा के द्वारा ये सभी व्यक्ति परस्पर मिलकर समस्या को सुनने के पश्चात् किसी निर्णय पर पहुँचते हैं।

③ विचारों का आदान-प्रदान → किसी समस्या या विषय पर विचारों के आदान-प्रदान द्वारा विभिन्न व्यक्तियों की प्रतिक्रिया को जानना होता है जिससे प्रतिभागी प्रश्नों को पूछने या चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित हों।

सफल सामूहिक चर्चा के लिए आवश्यक बातें :-
- → उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रयास
- → विचारों का आदान-प्रदान
- → सहयोगात्मक वातावरण
- → सकारात्मक व्यवहार
- → ध्यानपूर्वक सुनना
- → रचनात्मक आलोचनाओं को सुनना
- → सहनशीलता
- → संक्षिप्तता (निश्चित समयावधि)
- → शुद्धता
- → भाषा (सरल व स्पष्ट)

लाभ :-
- → अधिक जानकारी मिलना
- → सर्वोत्तम समाधान
- → अधिक विश्वसनीयता
- → विचारोत्तेजकता
- → सहभागिता
- → समय का सही प्रयोग
- → शक्तिशाली संगठन

दोष :-
- → अधिक समय लगना
- → असहमति होना
- → उत्तरदायित्व हीनता
- → असंतुष्ट समझौते
- → उद्देश्य की अपूर्णता
- → खर्चीली पद्धति
- → लंबी पद्धति

~~ऐसे~~ इस प्रकार ऐसे तकनीकी शब्दों के समूह को तकनीकी शब्दावली कहा जा सकता है। भौतिकी, रसायन, प्राणी विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, गणित, अंतरिक्ष विज्ञान, ~~कम्प्यूटर~~ computer, इंजीनियरी, मानवीकी, प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों की आभिव्यक्ति और व्यवहार में विशिष्ट अर्थ को लेकर तकनीकी शब्द प्रयोग में लाए जाते हैं। कोष-ग्रंथों के अनुसार तकनीकी का अर्थ है 'विशिष्ट कला, विज्ञान तथा शिल्प विषयक अथवा विशिष्ट कला के बारे में'। इसका तात्पर्य हुआ ~~इस~~ पारिभाषिक शब्द वह है जो किसी ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में एक विशिष्ट तथा निश्चित अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है।

तकनीक का अर्थ है 'कला तथा शिल्प'। तकनीकी शब्द वह शब्द है जो किसी निर्मित तथा खोजी गई वस्तु या विचार को व्यक्त करता हो।

डॉ. रघुवीर ने तकनीकी शब्द की व्याख्या देते हुए कहा है 'पारिभाषिक शब्द (तकनीकी शब्द) किसको कहते हैं जिसकी परिभाषा की गई हो। पारिभाषिक शब्द अर्थ है जिसकी सीमाएँ बाँध दी गई हो। जिन शब्दों की सीमा बाँध दी जाती है वे पारिभाषिक शब्द हो जाते हैं और जिनकी सीमा नहीं बाँधी जाती वे सामान्य शब्द होते हैं।

तकनीकी शब्दों के अंतर्गत मानवीकी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कार्यालय, प्रशासन, अंतरिक्ष, computer, तथा दूर-संचार के क्षेत्र आते हैं।

Teacher's Signature :

15/04/20 'आज का युवा और मोबाईल (पल्लवन) (14)

आज का युवा और मोबाईल का संबंध दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। आजकल युवा मोबईल पर लगभग सभी लोग एक्टिव रहते हैं। खास तौर पर युवा पीढ़ी। आज-कल मोबाईल द्वारा हमारी युवा-पीढ़ी किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकती है। मोबाईल युवा-पीढ़ी के लिए जनसंचार का माध्यम बन चुकी है। मोबाईल का हमारी युवा पीढ़ी पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव पड़ते हैं। लेकिन वर्तमान समय में इसके नकारात्मक प्रभाव ज्यादा ही है।

वैसे तो मोबाईल का कम प्रयोग आज की युवा मनोरंजन के लिए करती है। लेकिन मनोरंजन के चक्कर में युवा पीढ़ी अपने अमूल्य समय का उपयोग अपने भविष्य के लिए न करके मोबाईल में फंस गया है।

आज के समय में हम देखे तो बहुत बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी व्हाट्सप्प, फेसबुक, टाईक और भी कई एप्प या साइट्स का उपयोग करते हैं। पहले मोबाईल का इतना ज्यादा प्रभाव नहीं था तब युवा अपने भविष्य के बारे में सोचने के लिए ज्यादा समय निकालते थे लेकिन अब उनके दिन का एक बड़ा हिस्सा मोबाइल पर निकलता है।

पहले युवा खेलने और ऐसे मनोरंजन के लिए खेल खेलते थे जिनसे उनका दिमाग तेज और एक्टिव रहता था परंतु आजकल के युवा यह देखते हैं कि फेसबुक पर कल डाली फोटो पर कितने कमेंट आए या फिर अपने व्हाट्सप्प पर मैसेज चैक करेगा, मोबाईल को बार-2 चैक करेगा।

Teacher's Signature :